प्रधान कार्यालय, मुंबई

बैंक ऑफ इंडिया द्वारा विश्व हिन्दी दिवस - 2015 का

विदेशों में आयोजन - रिपोर्ट

प्रधान कार्यालय ने विदेश स्थित अपने सभी कार्यालयों और शाखाओं को विश्व हिन्दी दिवस मनाने विषयक पत्र संख्या प्रका/रावि/धीरेन्द्र/2014-15/2626 दिनांक 30.12 2014 को प्रेषित किया था। तदनुसार प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार निम्नलिखित आयोजन सम्पन्न किए गए :

कौलून (हांगकांग) शाखा

कौलून (हांगकांग) शाखा ने विश्व हिन्दी दिवस, 10 जनवरी, 2015 को शाखा परिसर में मनाया। इस आयोजन के अवसर का एक समूह चित्र :-

इस आयोजन को निम्नलिखित ढंग से आयोजित किया गया -

1. शाखा ने इस अवसर पर अति महत्वपूर्ण तथा सशक्त अनिवासी भारतीय (एनआरआई) कारोबारियों को आमंत्रित किया जिनकी हांगकांग में अत्यधिक प्रतिष्ठा है। इस विशेष अवसर पर आमंत्रित शाखा में उपस्थित थे। इस आयोजन में भारतीय समुदाय के दैनिक जीवन में हिन्दी की उपयोगिता पर विशेष जागरूकता लाने पर चर्चा व विचार-विमर्श किया गया।
2. स्थानीय स्टाफ को विश्व हिन्दी दिवस के महत्व के बारे में बतलाया गया।
3. हिन्दी भाषा के विकास जैसे महत्वपूर्ण उद्देश्य के लिए इस आयोजन पर सभी एनआरआई ने प्रसन्नता व्यक्त की। भारतियों के बीच सम्प्रेषण में हिन्दी का और अधिक उपयोग तथा इसके प्रचार-प्रसार के लिए प्रयास करने की इच्छा सम्मानित व्यावसायिकों ने दर्शाई।
4. कौलून शाखा, हांगकांग में विश्व हिन्दी दिवस पहली बार मनाया गया।

जोहान्सबर्ग शाखा

विश्व हिन्दी दिवस - 2015

गोष्ठी का आयोजन

विषय : **दक्षिण अफ्रीका में हिन्दी का प्रयोग और उसका विकास**

विश्व हिन्दी दिवस -2015 के उपलक्ष्य में जोहान्सबर्ग शाखा ने दिनांक 12.01.2015 को शाखा परिसर में गोष्ठी का आयोजन किया। इस गोष्ठी की रूपरेखा निम्नलिखित थी :-

दिनांक : 12.01.2015

विषय **: दक्षिण अफ्रीका में हिन्दी का प्रयोग और उसका विकास**

अध्यक्षता : **डॉ. विमलेश कान्ति वर्मा** (डी. फिल., एफ.आर.ए.एस.)

ख्यातिप्राप्त लेखक, विद्वान और भाषाविद

पुस्तकें : भाषा साहित्य और संस्कृति, अनुवाद और तत्काल भाषांतरण, फ़िजी में हिन्दी स्वरूप और विकास, फ़िजी का सृजनात्मक हिन्दी साहित्य ।

डॉ. वर्मा दिल्ली विश्वविद्यालय में हिन्दी के प्रोफेसर भी रहे हैं।

विशिष्ट अतिथि : **श्री रणधीर जायसवाल**

जोहान्सबर्ग में भारत के काउंसल जनरल हैं ।

विशेष उपस्थिती : **श्री गरीब भाई,** दक्षिण अफ्रीका के हिन्दी शिक्षा संघ से जुड़े हैं ।

श्रीमती शिवा श्रीवास्तव, कवियत्री तथा हिन्दी शिक्षिका ।

श्री वर्मा ने दक्षिण अफ्रीका में हिन्दी की वर्तमान स्थिति पर विचार रखते हुये कहा कि इस देश में हिन्दी के विकास के लिए कुछ ठोस कार्यक्रम बनाने की जरूरत है। उन्होने यह भी कहा कि हिन्दी शिक्षा संघ हिन्दी के विकास के लिए बहुत बेहतर कार्य कर रहा है और उसे सहयोग की जरूरत है। श्री वर्मा ने हिन्दी शिक्षा और विकास हेतु प्रशिक्षित शिक्षकों की आवश्यकता पर बल दिया और इस विषय में भारतीय उच्चायोग से पहल करने की अपील की।

श्री रणधीर जायसवाल ने भी हिन्दी के विकास के लिए विभिन्न कार्यक्रम करने की इच्छा प्रकट की और अपने कार्यालय की ओर से हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। उन्होने हिन्दी शिक्षा संघ के पदाधिकारियों से अनुरोध किया कि वो एक कार्ययोजना बनाएँ और जिन पुस्तकों इत्यादि की आवश्यकता हो उसे बताएं जिससे कि उसे भारत से मंगाया जा सके। उन्होने सबको मिलकर हिन्दी को और आगे ले जाने और उसका प्रचार-प्रसार करने के विषय में आवाहन किया।

श्री गरीब भाई और श्रीमती शिवा श्रीवास्तव ने भी हिन्दी के विकास के लिए हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया और इस आयोजन हेतु प्रसन्नता भी व्यक्त की।

गोष्ठी के अंत में शाखा के उप-महाप्रबंधक श्री राजेन्द्र प्रसाद बैसानी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। आयोजन का संचालन श्री विनय कुमार सिंह और श्री सम्राट ने किया।